भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +186

सोमवार, 19 जुलाई, 2021/28 आषाढ, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

अतुल्य भारत 2.0 अभियान के तहत पारिस्थितिकी पर्यटन को प्रोत्साहन

+186. श्री हंसमुखभाई एस. पटेल:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार की घरेलू और विदेशी बाजारों में अतुल्य भारत 2.0 अभियान के हिस्से के रूप में पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना है;
- (ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या गुजरात राज्य सरकार ने राज्य में विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए केन्द्रीय निधियों की अतिरिक्त मंजूरी के लिए अनुरोध किया है; और
- (घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं और विगत तीन वर्षों में देश में विशेषकर गुजरात में पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं और इससे गत तीन वर्षों में कितना राजस्व अर्जित किया गया है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख) : पर्यटन मंत्रालय ने "अतुल्य भारत 2.0" अभियान शुरू किया है जो भारत और विदेशों में सामान्य प्रचार से बाजार विशिष्ट प्रचार योजनाओं और सामग्री निर्माण की ओर एक बदलाव का प्रतीक है। अभियान में भारतीय पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण स्रोत बाजारों को भी शामिल किया गया है और महत्वपूर्ण संभावनाओं वाले उभरते बाजारों को भी ध्यान में रखा गया है। अभियान का फोकस व्यापक पहुंच वाले पोर्टलों, विशिष्ट शैलियों और सोशल मीडिया और टेलीविजन के माध्यम से डिजिटल उपस्थिति को बढ़ाने पर है, क्योंकि इनकी पहुंच व्यापक है। अभियान के हिस्से के रूप में विषयगत टेलीविजन विज्ञापनों और क्रिएटिव का निर्माण किया गया है। यह अभियान डिजिटल और सोशल मीडिया पर केंद्रित है और इको-टूरिज्म, योग, निरोगता, विलासिता, व्यंजन, वन्यजीव आदि सहित आला पर्यटन उत्पादों को बढ़ावा देता है।

मंत्रालय ने वर्षपर्यंत गंतव्य के रूप में भारत का संवर्धन करने और विशिष्ट अभिरुचि वाले पर्यटकों को आकर्षित करके उन अनोखे उत्पादों के लिए पर्यटकों का बार-बार आगमन सुनिश्चित करने, जिनमें भारत को प्रतिस्पर्धी गंतव्यों की तुलना में बढ़त प्राप्त है, के उद्देश्य से देश के संवर्धन और विकास हेतु इको पर्यटन को निश पर्यटन उत्पादों में से एक के रूप में अभिज्ञात किया है। पर्यटन मंत्रालय पारिस्थितिकीय रूप से स्थाई तरीके से पर्यटन के विकास

के महत्व को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण की अखंडता के रखरखाव पर बल देता रहा है। पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन उद्योग के प्रमुख वर्गों यथा आवास, दूर ऑपरेटरों, बीच, बैकवॉटर्स, झील तथा नदी आदि क्षेत्रों के लिए भारत के लिए स्थाई पर्यटन मानदंड (एसटीसीआई) तैयार किए हैं जो पूरे देश पर लागू होते हैं। यह मानदंड विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श के बाद तैयार किए गए हैं। पर्यटन मंत्रालय ने दूर ऑपरेटरों, एडवेंचर दूर ऑपरेटरों, यात्रा एजेंटों आदि जैसे अनुमोदित सेवाप्रदाताओं के लिए सुरक्षित एवं स्थाई पर्यटन हेतु आचार संहिता का अनुपालन अनिवार्य कर दिया है।

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत ईको-परिपथों के विकास के लिए राज्यों/संघ शासित क्षेत्र (यूटी) प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान की है। पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत ईको पर्यटन परियोजनाओं की जानकारी **अनुबंध-1** में दी गई है।

(ग) और (घ): पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य/केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के परामर्श से पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं के विकास के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसकी जानकारी **अनुबंध II** में दी गई है। पर्यटन से सृजित राजस्व के आंकड़े पर्यटन मंत्रालय द्वारा संधारित नहीं किए जाते हैं।

अनुबंध I

अतुल्य भारत 2.0 अभियान के तहत पारिस्थितिकी पर्यटन को प्रोत्साहन के सम्बन्ध में दिनांक 19.07.2021 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. +186 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में विवरण

ईको पर्यटन परिपथ

(राशि करोड़ में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	परिपथ का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	उत्तराखंड	ईको परिपथ (2015-16)	टिहरी झील के चारों ओर टिहरी - चंबा - सराएन में परिपथ का विकास	69.17
2.	तेलंगाना	ईको परिपथ (2015-16)	महबूबनगर जिला (सोमासिला, सिंगोतम, कदलैवनम, अक्कामहादेवी, ईगलनपंटा, फरहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेलातीर्थम) में परिपथ का विकास	91.62
3.	केरल	ईको परिपथ (2015-16)	पथनमथीट्टा - गावी - वागामोन - थेक्काडी का विकास	76.55
4.	मिजोरम	ईको परिपथ (2016-17)	आइजवाल - रापुईछिप - खावहपहवप - लेंगपुई - दर्तलांग - छतलांग - साकावरमुइतुइतलांग - मुथी - बेरातलवंग - तुरियल एयरफील्ड - मुईफांग में इको एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37
5.	मध्य प्रदेश	ईको परिपथ (2017-18)	गांधी सागर बांध - मंडलेश्वर बांध - ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध - बार्गी बांध - भेड़ा घाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	94.61
6.	झारखंड	ईको परिपथ (2018-19)	डलमा - चांडिल - गेटतलसुद - बेतला राष्ट्रीय पार्क - मिरचैया - नेतरहाट का विकास	52.72

अनुबंध II

अतुल्य भारत 2.0 अभियान के तहत पारिस्थितिकी पर्यटन को प्रोत्साहन के सम्बन्ध में दिनांक 19.07.2021 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. +186 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना और प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजना का विवरण

स्वदेश दर्शन योजना (एसडी)

(राशि करोड़ में)

बौद्ध परिपथ				
राज्य का नाम	क्र.सं.	परिपथ का नाम और वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (रु.)
गुजरात	1	बौद्ध परिपथ (2017-18)	जूनागढ़ - गिर सोमनाथ- भरुच-कच्छ- भावनगर- राजकोट- मेहसाणा का विकास	28.67
विरासत परिपथ				
गुजरात	1.	विरासत परिपथ (2016-17)	अहमदाबाद- राजकोट- पोरबंदर-बारडोली- दांडी का विकास।	59.17
गुजरात	2	विरासत परिपथ (2016-17)	वाडनगर - मोटेरा का विकास	91.84

तीर्थस्थल पुनरुद्धार और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)

(राशि करोड़ में)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	परियोजना की संख्या	परियोजना का नाम	स्वीकृति का वर्ष	अनुमोदित लागत (रु.)
गुजरात	1.	द्वारका का विकास	2016-17	13.08
	2.	सोमनाथ में तीर्थ यात्रा सुविधाएं	2016-17	45.36
	3.	प्रशाद योजना के तहत सोमनाथ में प्रोमीनेड का विकास	2018-19	47.12

प्रशाद योजना में अनुमोदन हेतु विचाराधीन परियोजनाएं:

1. अंबाजी मंदिर, बनासकांठा, गुजरात का विकास: राज्य सरकार से संकल्पना प्रस्तुति बैठक आयोजित करने के अनुरोध के साथ संकल्पना दस्तावेज प्राप्त हुआ है। 7 अप्रैल 2021 को हुई संकल्पना प्रस्तुति बैठक में संकल्पना पर सैद्धांतिक सहमति दी गई है। बैठक कार्यवृत्त जारी किए गए।

2. सार्वजनिक प्लाजा, सोमनाथ, गुजरात का विकास: राज्य सरकार से संकल्पना प्रस्तुति बैठक आयोजित करने के अनुरोध के साथ संकल्पना दस्तावेज प्राप्त हुआ है। 7 अप्रैल 2021 को आयोजित संकल्पना प्रस्तुति बैठक में संकल्पना पर सैद्धांतिक सहमति दी गई है। बैठक कार्यवृत्त जारी किए गए हैं।